

(ख) क्या स्वीकृति देने के लिये विधि-मंत्रालय से परामर्श लिया जाता है और स्वीकृति विधि मंत्रालय के परामर्श के अनुसार दी जाती है अथवा उसके विपरीत भी और क्यों ;

(ग) ऐसे प्रार्थना पत्र कितने हैं जो छः महीने से भी अधिक समय से विचाराधीन है और ऐसे प्रार्थना पत्रों पर अभी तक निर्णय न करने के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या कुछ ऐसे प्रार्थना पत्र अभियोग चलाने के लिये स्वीकृति के लिये मंत्रालय के विचाराधीन हैं जो भूतपूर्व नरेशों के विरुद्ध उनके कुटुम्बीजनों द्वारा प्रस्तुत किये गये हैं ; और

(ङ) ऐसे विचाराधीन मामलों का शीघ्र निपटारा करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है अथवा करने का विचार दिया जा रहा है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री हाथी) (क) पांच ।

(ख) स्वीकृति विधि मंत्रालय के परामर्श से दी जाती है ।

(ग) एक मामला लगभग छः महीने से विचाराधीन है । राज्य सरकार से उनके मत की प्रतीक्षा है ।

(घ) हां ऐसे दो आवेदन पत्र हैं ।

(ङ) सम्बन्धित राज्य सरकारों को अपने मत भेजने के लिये याद दिलाया जा रहा है ।

#### Drilling at Port Canning

468. { Shri N. R. Laskar:  
Maharajkumar Vijaya  
Ananda:

Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) whether actual drilling of the well near Port Canning area near Calcutta has been started;

(b) if so the progress made in this direction; and

(c) the total number of testing wells to be drilled in this area?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir):

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) It is not possible to state the number at this stage.

#### दिल्ली प्रशासन में हिन्दी

469. श्री नवल प्रभाकर: क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति अत्यन्त मन्द है ; और

(ख) यदि हां, तो इस मामले में क्या कदम उठाये गये हैं अथवा उठाये जाने का विचार किया जा रहा है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) और (ख) जी नहीं । दिल्ली प्रशासन के सरकारी कार्यों के लिए हिन्दी के प्रयोग में हुई प्रगति पर एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है, [पुस्तकालय में रखा गया, देखिये संख्या एल टी-3450/64] । स्थिति का काफी विस्तार से पुनरावलोकन किया गया है और इस दिशा में तेजी लाने के लिए प्रयत्न किया जा रहा है ।

#### Cases Pending in Punjab High Court

470. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state the number of cases pending in the Punjab High Court at Chandigarh as on the 1st October, 1964?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): The information is being obtained and will be laid on the Table of the House.